बी.ए प्रथम वर्ष: हिंदी द्वितीय प्रश्न पत्र हिंदी भाषा एवम साहित्य: हिंदी भाषा की अवधारणा

- हिंदी का मूल की यात्रा संस्कृत के सिंधु, फारस हिंदु और फिर हिंद के रूप में हिंदी प्रयुक्त होने लगी। यह एक भौगोलिक अवधारणा का भी सवाल था। हिंद देश अर्थात हिंदुस्तान के लोग जिस भाषा में स्वयं को अभिव्यक्त करते हैं, है।
- हिंदी 5 बोलियों में अथवा पांच उपभाषाओं भाषाओं में विभक्त है,
- 1. **पश्चिमी हिंदी. खड़ी बोली हरियाणवी ब्रज, बुंदेली**, कन्नौजी
- **पूर्वी हिंदी:** अवधि बघेली छत्तीसगढ़ी का समूह
- राजस्थानी: उत्तरी दक्षिणी पूर्वी पश्चिमी राजस्थान का समूह
- **पहाड़ी: पश्चिमी तथा मध्यवर्ती पहाड़ी**
- **बिहारी: भोजपुरी मगही मैथिली**
- **हिंदी का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है यह उत्तर प्रदेश हरियाणा राजस्थान मध्य प्रदेश हिमाचल प्रदेश बिहार उत्तराखंड पंजाब के कुछ भाग महाराष्ट्र के कुछ भागों में, बोली जाती है**
- *हिंदी भाषा में केवल देश में बल्कि विदेश में भी संपर्क भाषा के रूप में कार्य कर रही है। जैसे भारत एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, भारतीय लोगों का प्रवचन अमेरिका कनाडा ब्रिटेन ऑस्ट्रेलिया आदि में बढ़ा है हिंदी की प्रसार संख्या में भी वृद्धि हुई है। फ़िजी सुरीनाम त्रिनिदाद मारीशस आदि देशों में हिंदी बहुत पहले से ही प्रचलित है।
- **भारतीय कामगार वर्ग जब गिरमिटिया के रूप में मारीशस सीजी आदि देशों में गया तो वह अपनी संस्कृति भी साथ में लेकर गया। मारीशस और फिजी में भोजपुरी जन समुदाय काफी है।**
- **रामचरितमानस ने इन देशों के भारतीय वर्क को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण काम किया है। प्रवीण झा की चर्चित पुस्तक कुली लाइंस गिरमिटिया मजदूरों की स्थिति को लेकर तथ्यपरक बात करती है।**
- **हिंदी भाषी समुदाय निरंतर अपना विस्तार करता जा रहा है।**